!! श्री विद्यासागरायः नमो नमः !!

जैन विद्यार्थियों के विकास, सहयोग एवं आत्मीयता के आधार पर संचालित

"साधर्मी वात्सल्य योजना"

एक आत्मीय निवेदन विद्यार्थियों के लिए

प्यारे बच्चों,

यह तो आप जानते ही हैं कि प्रत्येक माता–पिता के लिए उनके बच्चें उन्हे अपने प्राणों से भी ज्यादा प्यारे होते हैं। वे सब कुछ खोकर भी बच्चों को बड़ा और अच्छा इंसान बनाना चाहते है। उच्च–शिक्षा प्राप्त करने के लिए आपने जब बाहर पढ़ने की भावना रखी तब तो कई रातें उन्हें नींद भी नहीं आई, यह सोचकर की ये नाजुक (अनभिज्ञ) से बेटे/बेटी कैसे बाहर रहेंगे, कहॉ खायेगे–कैसा खायेंगे कौन इन्हें अपना प्यार देगा इन सब बातों को सोच–सोचकर मन में एक ही बात बार–बार आती थी कि बच्चें अच्छी और सच्ची, उच्च शिक्षा प्राप्त नहीं कर पायेंगे तो उनका भविष्य कैसे महान बन पायेगा। हमने तो जैसे–तैसे अपना जीवन यापन कर लिया किन्तु बच्चों को कलेक्टर, जज, डॉक्टर, इंजीनियर, सीए, सीएस, शिक्षक इत्यादि अफसर तो बनाना ही है। भले इसके लिए हमें अपना मकान, दुकान सबकुछ न्यौछावर ही क्यों न करना पड़े।

अतः अपने दिल पर पत्थर रखकर, अपने स्वयं के खर्चों में कटौती कर के उन्होंने आपको महानगरों में पढ़ने के लिए भेजने का मन बना ही लिया और आज आप महानगरों में आकर विद्या, शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं हम जानते हैं कि माता–पिता से अलग रहकर पढ़ना कोई सरल कार्य नहीं है । अपना सब परिवार–जन, मित्रों, सहपाठियों को छोड़कर वहां बसना जहां अपना कोई न हो आपने स्वीकार किया । क्योंकि आप भी चाहते है मुझे कुछ ऐसा करना है कि जिससे मेरे माता–पिता, समाज , नगर का नाम रोशन हो सके।

शहरी वातावरण में रहते हुए आपको यहां भी कुछ अपनापन मिल सके इस हेतु धर्म के माता–पिता के रूप में कोई श्रावक–श्राविका आपके सहयोगी बन सके इसी मंगल भावना से "साधर्मी वात्सल्य योजना" का प्रारंभ किया गया है। यदि आप चाहते है कि हमारा जीवन बुराइयों से बच सकें, सत्संगति का लाभ मिलें, हमारी शिक्षा संस्कारों से परिपूर्ण एक आदर्श जीवन शैली का कारण बने, हमें परिवार जैसा संरक्षण मिल सके तो आप भी हमारे इस अभियान से जुड़ें। आपको मात्र एक संकल्प पत्र भरना है हम ऐसे साधर्मी श्रावकों से आपका परिचय करा देंगे जो आपके धर्म के माता–पिता बनकर अध्ययन काल तक आपके सहयोग संरक्षण के लिए तत्पर रहेंगे। हमारी भावना का आदर करते हुए इस योजना से जुड़ेगें ऐसा हमें विश्वास है।

सपंर्क :	नागेन्द्र जैन	– 9425074782	सी.ए. आशीष जैन	– 9425312972
	सी.एस. अभय जैन	– 9039351139	मिली जैन	– 9926058201
	डॉ. शिवानी जैन	– 6268836364	एम.के. जैन, एलआईसी	– 9425804534
	प्रोफेसर विशाल जैन	– 9893642096	अभिषेक जैन	– 9827075715

निवेदक
साधर्मी वात्सल्य समूह

!! श्री विद्यासागरायः नमो नमः !!

जैन विद्यार्थियों के विकास, सहयोग एवं आत्मीयता के आधार पर संचालित

''साधर्मी वात्सल्य योजना''

उच्च शिक्षा एवं सेवा के उद्देश्य से इंदौर नगर में आने वाले बेटे–बेटियों को अपनापन मिले एवं उन्हें समय–समय पर अपने साधर्मियों का संरक्षण, निर्देशन मिलता रहे। इसी पवित्र उद्देश्य से प्रस्तावित एक आदर्श योजना।

''साधर्मी वात्सल्य योजना''

श्रेष्ठ साधर्मी बंधु.....

जिनधर्म की प्रभावना में सदा आपका योगदान मिलता रहता है आगे भी मिलता रहेगा ऐसी हमारी भावना है। आपको ज्ञात ही है कि हमारा इन्दौर नगर शिक्षा का बहुत बड़ा केन्द्र बनता जा रहा है। भारतवर्ष के विभिन्न प्रान्तों, नगरों, ग्रामों में रहने वाले बेटे–बेटी शिक्षा प्राप्त करने के लिए यहां आकर हॉस्टल, मकानों, बंगलो आदि में रह रहे हैं। यहां उनका अपना परिवारजन कोई भी नहीं होता समाज में किसी से भी परिचय न होने से अपने को अकेला महसूस करते हुए स्कूल, कॉलेज के छात्र–छात्राओं को ही अपना सही मार्गदर्शक मित्र मान लेते हैं। कुछ बच्चे अपने लक्ष्य की ओर निरन्तर पुरूषार्थ करते रहते हैं। तो ज्यादातर बच्चे झूठी चकाचौंध, मित्रों की कुसंगति आदि के कारण लक्ष्य से भटक जाते हैं। अपने धर्म कुल, परम्परा, माता–पिता का सम्मान आदि सब कुछ भुला कर दुष्कृत्यों से जुड़ जाते हैं। संस्कारित परिवारों के बच्चे भी गलत आदतों में पड़कर अपना भविष्य बिगाड़ लेते हैं। वर्तमान परिवेश के इस सत्य को ठुकराया नहीं जा सकता। ऐसी परिस्थिति में हम सब क्या कर सकते हैं यह हमें सोचना होगा।

''साधर्मी वात्सल्य योजना'' से जुड़कर हम सभी इतना तो कर ही सकते हैं। प्रत्येक संस्कारित परिवार चार बेटे–बेटियों (जो आप के आस–पास रहते है) को विशेष अवसर पर जैसे–जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ, महावीर जयंती, दीपावली आदि पर्व के दिनों में अपने यहां आमंत्रित कर सकते हैं। इनके धर्म के माता–पिता बनकर यथायोग्य निर्देशन देते रहेंगे। इन बच्चों के माता–पिता आदि से संपर्क बनाए रखें। इससे अपनापन मिलने पर कुछ हद तक बच्चों को गलत रास्ते में जाने से बचाया जा सकता है।

चारो दानों में अभय दान को भी श्रेष्ठ माना है, आपकी मित्रता, संरक्षण प्राप्त होने से बच्चों के पालकों के मन में भी भय दूर होगा। जिनधर्म की प्रभावना होगी और सम्यकदर्शन का एक अंग वात्सल्य भाव वृद्धि को प्राप्त होगा।

इस योजना में हमें क्या करना होगा ?

अपने आस–पास एवं पड़ोस में रहने वाले कम से कम चार बच्चों के धर्म के माता–पिता बनने के लिए संकल्प पत्र भरकर हमारे पास जमा करावें जिससे आप साधर्मी वात्सल्य योजना के ''वात्सल्य प्रदाता'' पद से विभूषित हो सके।

आपके नाम की जानकारी संस्थान की वेबसाइट पर रहेगी जिससे देश भर के लोग आपके इस सहयोग का लाभ ले सकें।

सपंर्क :				
	नागेन्द्र जैन	– 9425074782	सी.ए. आशीष जैन	– 9425312972
	सी.एस. अभय जैन	– 9039351139	मिली जैन	– 9926058201
	डॉ. शिवानी जैन	– 6268836364	एम.के. जैन, एलआईसी	– 9425804534
	प्रोफेसर विशाल जैन	– 9893642096	अभिषेक जैन	– 9827075715

निवेदक
साधर्मी वात्सल्य समूह

!! श्री विद्यासागरायः नमो नमः !!

जैन विद्यार्थियों के विकास, सहयोग एवं आत्मीयता के आधार पर संचालित

"साधर्मी वात्सल्य योजना"

"विद्यार्थी आवेदन"

पासपोर्ट साईज
फोटो चिपकाए

श्रीमान् संयोजक महोदय जी,

श्री _____ पिता श्री _____

माता श्रीमति _____ मूलनिवास _____

_____ जन्म तिथि ___/___/___ साधर्मी वात्सल्य योजना से जुड़ना चाहता हूं।

मांसाहार, शराब आदि व्यसनों से दूर रहकर सच्चे देव शास्त्र गुरू का सानिध्य प्राप्त कर अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाना चाहता/चाहती हूं।

मेरी इस भावना को स्वीकार करते हुए मुझे भी धर्म के माता–पिता का सहारा, सनिध्य मिले ऐसी संयोजना करने की कृपा करें।

मैं संकल्प करता हूं कि मेरे माध्यम से समाज एवं माता–पिता की अप्रभावना, बदनामी नहीं होगी।

_____

आपका साधर्मी बेटा/बेटी

वर्तमान निवास : _____

शिक्षा (अध्ययनरत) : _____

आय का स्त्रोत स्वयं का (यदि है तो) : _____

कार्यालय का पता : _____

मोबाइल नं. : _____

फोन नं. : _____

व्हाटसअप नं. : _____

ई–मेल आईडी : _____

भाई : _____

बहिनः _____

परिवार मासिक व्ययः _____

कोचिंग/शिक्षा का पूरा विवरण : _____

परिवारिक सम्पर्क : _____

मोबाइल नं : _____

!! श्री विद्यासागरायः नमो नमः !!

जैन विद्यार्थियों के विकास, सहयोग एवं आत्मीयता के आधार पर संचालित

"साधर्मी वात्सल्य योजना"

पासपोर्ट साईज
फोटो चिपकाए

"साधर्मी वात्सल्य योजना"
संकल्प पत्र

पासपोर्ट साईज
फोटो चिपकाए

हम, श्रावक श्रीमान् _____ श्राविका _____

निवास _____ उपरोक्त साधर्मी वात्सल्य योजना से जुड़कर अभयदान जैसे महान कार्य में सहयोगी बनना चाहते हैं। कम से कम (बच्चों की संख्या) _____ एवं अधिकतम (_____) बेटे/बेटियों अथवा दोनो के धर्म के माता–पिता बनकर समाज के प्रति अपने दायित्व का निर्वाह करना चाहते हैं।

हमारी इस भावना का आदर करते हुए हमें सहयोग प्रदान करें। अपने कर्तव्य का अच्छी तरह से पालन करने हेतु संकल्प बद्ध हैं। देव शास्त्र गुरू का आशीष हमें प्राप्त हो जिससे हम अपना दायित्व सुचारू रूप से निभा सके।

श्रावक _____ **श्राविका** _____

पूरा पता : _____

_____

मोबाइल नं. _____ ई–मेल आईडी: _____

आय का स्त्रोत व कार्यालय/संस्थान का पता: _____

विशेष : <u>बच्चो के अपराधिक होने पर, दुर्व्यसन के रास्ते पर जाने, शिक्षा में असफल होने पर, आत्मघात करने पर आप जिम्मेदार नहीं रहेगें।</u>